प्रपत्र–एम.एम. 7 (17वाँ संशोधन)

नीलाम/निविदा/नीलाम एवं निविदा पट्टा का रजिस्टर– (नियम–30)

1– क्रम संख्या

2– भूमि का विवरण

(क) तहसील

(ख) परगना

(ग) ग्राम

(घ) गाटा (प्लाट) संख्या

(ङ) क्षेत्रफल

3– भूमि का कुल क्षेत्रफल

4– खनिज या खनिजों का नाम

5– पट्टेदार का नाम

6– पट्टेदार का पूरा पता

7– पट्टा प्रारम्भ होने का दिनांक

8– पट्टा आबंटन होने का दिनांक

9– स्वामित्व की कुल धनराशि

10–प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर

11–अभियुक्ति

प्रपत्र–एम.एम. 8

खनन अनुज्ञा–पत्र के लिए प्रार्थना–पत्र (नियम–52) देखिये

(तीन प्रतियों में देना है)

स्थान ..... दिनांक .....19..... समय ..... बजे

दिनांक ..... को प्राप्त हुआ

पाने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में,

.....

.....

.....

महोदय,

मैं/हम निवेदन करता हूं/करते हैं कि मुझे/हमें उत्तर प्रदेश उप खनिज (परिहार) नियमावली, 1963 के अधीन खनन अनुज्ञा–पत्र दिया जाये।

(2) इस प्रार्थना पत्र के सम्बन्ध में देय शुल्क .....रु. जमा कर दिया गया है।

(3) अपेक्षित विवरण नीचे दिये गये हैं :–

(1) प्रार्थी का नाम और पूरा पता .....

(2) क्या प्रार्थी अशासकीय व्यक्ति/निजी कम्पनी/सार्वजनिक कम्पनी/ फर्म या संघ है .....

(3) यदि प्रार्थी

(क) व्यक्ति विशेष है तो उसकी राष्ट्रीकता

(ख) निजी कम्पनी है, तो कम्पनी के सभी सदस्यों की राष्ट्रियता और उसके निबंधन का स्थान

(ग) सार्वजनिक कम्पनी है तो निदेशकों की राष्ट्रियता, भारतीय राष्ट्रिकों द्वारा धृत अंश पूंजी का प्रतिशत तथा उसके निगमन का स्थान

(घ) फर्म या संघ है तो फर्म के सभी भागीदारों या संघ के सभी सदस्यों की राष्ट्रियता

(4) प्रार्थी का व्यवसाय या उसके कारोबार का प्रकार

(5) खनिज, जिसे/जिन्हें प्रार्थी खनन करना चाहता हो :

(क) खनिज का नाम

(ख) जितना खनन किया जाना हो उसकी कुल मात्राा

(6) अवधि जिसके लिए खनन अनुज्ञा–पत्र अपेक्षित है

(7) उस क्षेत्र का ब्यौरा, जिसके सम्बन्ध में अनुज्ञा–पत्र अपेक्षित है :

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल	क्या रिक्त है या किसी द्वारा धृत है और यदि धृत है तो उसके ब्यौरे
					ग्राम– क्षेत्रों की दशा में ग्राम का नाम,और यदि ग्राम के केवल एक भाग के लिए प्रार्थना–पत्र दिया गया हो तो खसरा (ग्राम) संख्या

*प्रत्येक ऐसे खेत या उसके भाग का, जिसके लिए प्रार्थना पत्र दिया गया हो हेक्टर में क्षेत्रफल.

(8) वन क्षेत्रों की दशा, में कार्यवृत्ति (वार्किंग सर्किल) का नाम, वनराजि (range) और पातन श्रेणियों (felling series) यदि कोई हों, वन में ज्ञात और सीमांकित क्षेत्रों के सम्बन्ध में क्षेत्र का विवरण तथा एकड़ों में विस्तार (लगभग)।

(9) भू–कर सर्वेक्षण के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र की दशा में, धरातल मानचित्र में निश्चित स्थानों के हवाले से क्षेत्र के प्रारम्भिक स्थल का विवरण और सीमा–रेखा की रेखीय दूरियां और उसके धरातल मानचित्र में दिए गये क्षेत्र के तद्नुरूप यथासम्भव ठीक–ठीक दिक्स्थिति (4" =1 मील पैमाना)।

(10) रीति जिसके अनुसार संग्रह किय गए खनिज का उपयोग किया जाएगा।

(11) प्रार्थी के वित्तीय संसाधन।

(12) ऊपर 2 पर उल्लिखित धनराशि के लिए संलग्न रसीद वाले कोषागार चालान आदि के विवरण ।

(13) कोई अन्य विवरण या रेखा मानचित्र जो प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत करना चाहें।

मैं/हम एतद्द्वारा घोषणा करता हूं/करते हैं कि ऊपर दिए गये विवरण ठीक हैं और मैं/हम कोई अन्य ब्यौरे देने को तैयार हूं/हैं, जो आपके द्वारा अपेक्षित हैं।

स्थान .....

दिनांक .....

भवदीय,

प्रार्थी के हस्ताक्षर

अवधेय :– यदि प्रार्थना–पत्र पर प्रार्थी के प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जायें तो अभिकरण पत्र (power of Attorney) संलग्न किया जाना चाहिये।